

भारत सरकार  
पर्यटन मंत्रालय  
राज्य सभा  
लिखित प्रश्न सं. 2053  
गुरुवार, 12 दिसम्बर, 2024/21 अग्रहायण, 1946 (शक)  
को दिया जाने वाला उत्तर

### पुरी-कोणार्क रोड पर पारि-पर्यटन

2053 श्री शुभाशीष खुंटिया:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार की पर्यटकों को आकर्षित करने और रोजगार सृजित करने के लिए पुरी-कोणार्क रोड पर पारि-पर्यटन को बढ़ावा देने की कोई योजना है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने कभी पुरी-कोणार्क सड़क पर यात्रा करने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए, या क्षेत्र में पारि-पर्यटन विकसित करने के लिए इस क्षेत्र में पारि-पर्यटन की संभावनाओं का कभी कोई मूल्यांकन किया है; और
- (घ) यदि हां, तो ऐसे मूल्यांकन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पारिस्थितिकी पर्यटन सहित पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों का विकास और प्रचार मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है।

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। चल रही गतिविधियों के भाग के रूप में; सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने का भी काम किया जा रहा है। पर्यटन मंत्रालय भी नियमित रूप से अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देता है।

देश में पारिस्थितिकी पर्यटन के विकास को गति प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने पारिस्थितिकी पर्यटन के विकास के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए एक विषय के रूप में पारिस्थितिकी-परिपथ की पहचान की है।

मंत्रालय ने पर्यटन और गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के रूप में शुरू किया है। यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने को प्रोत्साहित करती है। केंद्रीय वित्तीय सहायता, दिशानिर्देशों के अनुसार और राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर दी जा रही है।

ओडिशा राज्य सरकार ने सूचित किया है कि पुरी-कोणार्क रोड पर नुआनोई और अस्तारंगा में मेंग्रोव रिट्रीट वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के माध्यम से कार्य कर रहे हैं।

\*\*\*\*\*

अनुबंध

श्री शुभाशीष खुंटिया द्वारा पुरी-कोणार्क रोड पर पारि-पर्यटन के संबंध में दिनांक 12.12.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 2053 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी राशि	स्थिति
1.	उत्तराखंड	(2015-16)	टिहरी झील और उसके आसपास के क्षेत्र को नए गंतव्य-जिला टिहरी के रूप में विकसित करने के लिए पारिस्थितिकी पर्यटन, साहसिक खेलों और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास	69.17	69.17	पूर्ण
2.	तेलंगाना	(2015-16)	महबूबनगर जिले (सोमसिला, सिंगोतम, कदलाईवनम, अक्कमहादेवी, एगलानपंटा, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलथीर्थम) में परिपथ का विकास	91.62	91.25	पूर्ण
3.	केरल	(2015-16)	पथनमथिट्टा - गावी-वागामोन-तेक्कडी का विकास	64.08	64.08	पूर्ण
4.	मिजोरम	(2016-17)	आइजोल में इको-एडवेंचर परिपथ - रावपुइचिप - खावफावप - लेंगपुई - - चाटलांग- सकाव्रहमुइटुआइटलांग - मुथी - बेराटलावंग -तुइरियल एयरफील्ड - हमुइफांग का विकास	66.37	53.09	पूर्ण
5.	मध्य प्रदेश	(2017-18)	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर	93.76	93.59	पूर्ण

			बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ा घाट- बाणसागर बांध- केन नदी का विकास			
6.	झारखंड	(2018-19)	इको पर्यटन परिपथ: डलमा-बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मिरचैया-नेतरहाट का विकास	30.44	28.04	पूर्ण
<b>कुल</b>				<b>415.44</b>	<b>399.22</b>	

\*\*\*\*\*